माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी, माननीय Shiksha मंत्री जी, Shiksha विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण, प्रदेश के विभिन्न जिलों से पधारे सम्मानित Teachers, Principals, मेरे प्रिय विद्यार्थियों तथा उपस्थित सभी गणमान्य अतिथिगण, आप सभी को मेरा सादर नमस्कार।

आज Shikshak दिवस के इस अवसर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। वास्तव में आज का दिन केवल एक समारोह का दिन नहीं है, बल्कि उन लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है, जो अपने जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय दूसरों

का भविष्य बनाने में लगाते हैं। Shikshak दीपक की तरह जलकर अपने विद्यार्थियों के जीवन में प्रकाश भरता है। इसलिए आज मैं हरियाणा के प्रत्येक Shikshak को हृदय से नमन करता हूँ।

आज का यह अवसर इसलिए भी विशेष है कि हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2024 और 2025 के State Teacher Award से प्रदेश के 78 Teachers को सम्मानित किया जा रहा है। वर्ष 2024 के 40 और वर्ष 2025 के 38 Teachers इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुने गये हैं। मैं सभी सम्मानित Teachers को हार्दिक बधाई देता हूँ। आपका यह सम्मान

केवल आपका Personal सम्मान नहीं है; यह पूरे Shikshak समाज, Shiksha व्यवस्था और हरियाणा के भविष्य का सम्मान है।

मित्रों, हमारे जीवन में कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनका प्रभाव समय के साथ Smapat नहीं होता, बल्कि और गहरा होता जाता है। माता-पिता हमें जीवन देते हैं, पर Shikshak उस जीवन को दिशा देता है। माता-पिता हमें चलना सिखाते हैं, पर Shikshak हमें अपने पैरों पर खड़ा होना सिखाता है। Shikshak केवल यह नहीं बताता कि हमें क्या पढ़ना है, बल्कि हमें यह समझने में सहायता करता है कि हम क्या बन सकते हैं।

एक विद्यार्थी जब विद्यालय में प्रवेश करता है, तब उसके भीतर अनेक संभावनाएँ छिपी होती हैं। उसे भी नहीं पता होता कि उसकी प्रतिभा क्या है। किसी बच्चे में विज्ञान की प्रतिभा होती है, किसी में साहित्य की, किसी में खेल की, किसी में कला की और किसी में नेतृत्व की। एक संवेदनशील Shikshak इन संभावनाओं को जानकर उन्हें विकसित होने का अवसर देता है। यही Shikshak की सबसे बड़ी भूमिका है।

5 Sep. को हम Teacher’s Day भारत के महान Educationist और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के

अवसर पर मनाते हैं। डॉ. राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि Teaching केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज निर्माण का माध्यम है। इसलिए Shikshak दिवस केवल Teachers को बधाई देने का दिन नहीं है। यह Shiksha के महत्व को स्वीकार करने और Shikshak के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है।

आज Shiksha की दुनिया तेजी से बदल रही है। हमारे सामने Internet और A. I. जैसी Digital Technology हैं। विद्यार्थी कुछ Seconds में दुनिया भर की जानकारी प्राप्त कर सकता है। लेकिन जानकारी

और ज्ञान में अंतर है और ज्ञान तथा विवेक में भी अंतर है। तकनीक सूचना दे सकती है, लेकिन Shikshak विवेक देता है। A. I. उत्तर दे सकती है, लेकिन Shikshak सही प्रश्न पूछना सिखाता है। इसलिए तकनीक के इस युग में Shikshak की आवश्यकता कम नहीं हुई है, बल्कि उसकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

आज के Shikshak का दायित्व केवल Syallebus पूरा करना और Exam Result देना नहीं है। Shikshak को ज्ञान के साथ चरित्र का निर्माण करना है। उसे विद्यार्थियों में अनुशासन, ईमानदारी, परिश्रम,

वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करनी है। उसे यह भी सुनिश्चित करना है कि कोई बच्चा आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियों के कारण पीछे न रह जाये। विशेष रूप से हमारी बेटियों को समान अवसर देना और उनकी Shiksha को प्रोत्साहित करना हमारी जिम्मेदारी है।

मेरा मानना है कि Shiksha का उद्देश्य केवल Yeh नहीं है कि बच्चा क्या बने; उससे भी अधिक महत्वपूर्ण Yeh है कि Veh कैसा मनुष्य बने। हमें ऐसे डॉक्टर चाहिए जो सेवा की भावना रखें, ऐसे वैज्ञानिक चाहिए जो

मानवता के हित में काम करें, ऐसे अधिकारी चाहिए जो Justice और Sensitivity के साथ Decision लें, ऐसे Entrepreneur चाहिए जो रोजगार पैदा करें और ऐसे नागरिक चाहिए जो अपने देश और समाज के प्रति जिम्मेदार हों।

आज मैं अपने जीवन के एक Personal aspect को भी आपसे Share करना चाहता हूँ। मैं लम्बे समय तक Teaching से जुड़ा रहा हूँ और लगभग चार दशकों तक राजनीति विज्ञान का अध्यापन किया है। इसलिए Shikshak की जिम्मेदारी को मैं केवल एक प्रशासनिक दायित्व

के रूप में नहीं, बल्कि अपने जीवन के अनुभव के रूप में समझता हूँ। मुझे आज भी अपनी Classes और Students याद आते हैं। Students के प्रश्न, उनकी जिज्ञासा, उनकी Disagreement और कभी-कभी उनके कठिन प्रश्न Shikshak को भी सीखने के लिए मजबूर करते हैं। एक Shikshak विद्यार्थी को सिखाता है, लेकिन कई बार विद्यार्थी भी Shikshak को बहुत कुछ सिखाता है। यही Class की सबसे बड़ी Achievement है।

मेरे Teaching Life में मुझे अनुभव हुआ कि Shikshak का वास्तविक पुरस्कार कोई पदक या प्रमाण-पत्र नहीं है। Shikshak को सबसे बड़ा पुरस्कार तब मिलता है, जब वर्षों बाद कोई पूर्व विद्यार्थी आकर कहता है- “सर, आपकी कही बात आज भी मुझे याद है।” उस पल उसे लगता है कि उसके समर्पण को सही अर्थ मिल गया।।

इसलिए मैं आज सभी Teachers से कहना चाहता हूँ कि अपने विद्यार्थियों को केवल Exams के लिए तैयार मत कीजिए; उन्हें जीवन के लिए तैयार कीजिए। उन्हें केवल नौकरी के लिए तैयार मत कीजिए; उन्हें

समाज के लिए उपयोगी बनने के लिए तैयार कीजिए। उन्हें केवल उत्तर मत दीजिए; उन्हें प्रश्न पूछना सिखाइए। प्रश्न करने वाला विद्यार्थी ही भविष्य का शोधकर्ता बनता है।

दोस्तों.... हरियाणा की शिक्षा-यात्रा भी अनेक उपलब्धियों से भरी हुई है। यह प्रदेश कृषि, खेल, विज्ञान और उद्योग के Shetra में देश और दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है। लेकिन किसी भी प्रदेश की वास्तविक शक्ति उसके Buildings or Resources में नहीं, बल्कि उसके शिक्षित, कुशल, संस्कारित और जिम्मेदार नागरिकों में होती है।

हरियाणा के गाँवों में विद्यालय सामाजिक परिवर्तन के केंद्र हैं। जब किसी गाँव की बेटी शिक्षा प्राप्त करके अपने पैरों पर खड़ी होती है, तो केवल उसका जीवन नहीं बदलता, बल्कि पूरे परिवार की सोच बदलती है। जब किसी किसान का बेटा Shiksha प्राप्त करके वैज्ञानिक, चिकित्सक, इंजीनियर or Shikshak बनता है, तो उसका लाभ पूरे समाज को मिलता है। इसलिए Shiksha आत्मनिर्भरता, वैज्ञानिक सोच, सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का आधार भी है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि हरियाणा में Education Sector में आरोही मॉडल स्कूल, Super Hundred कार्यक्रम, Haryana State Merit Scholarship, डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना जैसे Initiative के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, Modern infrastructure तथा Competitive exams की बेहतर तैयारी के अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। साथ ही, हरियाणा सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में शिक्षा बजट को लगभग 10% तक बढाया है।

आज 2047 के विकसित भारत की बात हो रही है। लेकिन 2047 का भारत केवल नीतियों और योजनाओं से नहीं बनेगा। उसका निर्माण आज की Classes में होगा। आज किसी विद्यालय में पढ़ता हुआ बच्चा कल वैज्ञानिक बन सकता है, कोई बेटी देश की महान प्रशासक बन सकती है, कोई विद्यार्थी खिलाड़ी, चिकित्सक या Shikshak बन सकता है। उसी भविष्य का आधार आज उसका Shikshak रख रहा है। इसलिए मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूँ कि भारत का भविष्य संसद में जितना बनता है, उतना ही विद्यालय की Class में भी बनता है। और उस भविष्य का सबसे महत्वपूर्ण वास्तुकार Teacher है।

आज मैं विशेष रूप से सम्मानित होने वाले 78 Teachers से कहना चाहता हूँ कि यह पुरस्कार आपकी Journey का अंत नहीं, बल्कि एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत है। आज राज्य ने आपके कार्य को पहचाना है। अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप अपने अनुभव दूसरे Teachers के साथ Share करें, नयी Generation के Teachers का मार्गदर्शन करें, अपने विद्यालयों को और बेहतर बनाएँ और अपने विद्यार्थियों में उत्कृष्टता के साथ मानवीय मूल्यों का भी विकास करें।

मैं माता-पिता से भी आग्रह करना चाहता हूँ कि अपने बच्चों का C omparison दूसरों से न करें। हर बच्चे की अपनी प्रतिभा और अपनी गति होती है। बच्चों को सुनिए, उनके प्रश्नों को महत्व दीजिए और उन्हें Failures से सीखने का अवसर दीजिए। और सबसे महत्वपूर्ण- अपने बच्चों के सामने उनके Teachers का सम्मान कीजिए। जिस घर में Shikshak का सम्मान होता है, उस घर का बच्चा Shiksha का सम्मान करना सीखता है।

आज जब हम इन Teachers को सम्मानित कर रहे हैं, तब हमें Yeh Yaad रखना चाहिए कि किसी Teacher को दिया गया सम्मान केवल Personal सम्मान नहीं है। उसमें उसके वर्षों का परिश्रम, Countless Classes, विद्यार्थियों की सफलताएँ, उसकी चिंताएँ और उसके अनेक silent Efforts शामिल होते हैं।

इसलिए आज मैं सभी सम्मानित Teachers को केवल बधाई नहीं देता, बल्कि उन्हें प्रणाम करता हूँ। आपने बच्चों को पढ़ाया है, लेकिन वास्तव में आपने भविष्य को पढ़ाया है। आपने Classes ली हैं, लेकिन

वास्तव में आपने New Generation तैयार की है। आपने पाठ पढ़ाए हैं, लेकिन वास्तव में आपने जीवन के अध्याय लिखे हैं।

अंत में मैं एक बार फिर वर्ष 2024 और 2025 के State Teacher Award से सम्मानित सभी 78 Teachers को हृदय से बधाई देता हूं और हरियाणा के प्रत्येक Teacher को Teacher day दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

आप सभी Teachers को मेरा सादर प्रणाम।

जय हिंद! जय हरियाणा!